|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 8. September | | | |
| **Fest Mariä Geburt** | | | |
| Lesung: Mi 5,1-4a oder Röm 8,28-30; Evangelium: Mt 1,1-16.18-23 (oder 1,18-23) | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 523, 1-3 | | O Maria sei gegrüßt |
|  | GL 526 | | Alle Tage sing und sage |
|  | GL 824 | | Maria ging hinaus |
|  | GL 818, 1+6 | | Ave Maria klare |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 163, 3 | | Herr Jesus |
|  | GL 153 | | Herr, erbarme dich |
|  |  | |  |
| Gloria: | GL 172 | | Gott in der Höh sei Preis und Ehr |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Psalm 13,6a-d | |  |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 390 | | Magnificat |
|  | GL 650, 2 | | Mein Geist jubelt über Gott |
|  | oder | |  |
|  | GL 400 | | Ich lobe meinen Gott |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 6 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *Selig bist du, Jungfrau Maria,* | | |
|  | *und allen Lobes überaus würdig.* | | |
|  | *Denn aus dir ging hervor die Sonne der Gerechtigkeit.* | | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 357, 1+2 | Wie schön leuchtet der Morgenstern | |
|  | GL 530, 1+2+4 | Maria, Mutter unsres Herrn | |
|  | GL 717, 1+2 | Schau erbarmend auf uns nieder | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 198 | Heilig | |
|  |  |  | |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 395, 1-3 | Den Herren will ich loben | |
|  | GL 822 | Groß sein lässt meine Seele den Herrn | |
|  |  |  | |
| Schluss: | GL 521, 1+6 | Maria dich lieben | |
|  | GL 535, 1-3 | Segne, du, Maria | |
|  | GL 530, 1-4 | Maria, Mutter unsres Herrn | |
|  |  |  | |
|  |  |  | |